

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,

५२७८ JAMMU

No. १४१८

Title क
भरवाहीतर शतनाम .

Author

✓
Extent

१ पत्र

Age

Subject

तल
© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वा
भैरवोत्तरशतनाम
नं. १४१८

नं. १४१८ के
मैरवाछोनार शतनाम
१ पत्र
तद्वत्

नं. ~~१४१८~~
३६०



मैरवाछोनार शतनाम

ॐ नमो वडुकाय

ॐ प्रतापवते नमः १ ॐ विस्मये नमः २ ॐ प्रभवे नमः
 ॐ वेश्याय नमः ३ ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः ४ ॐ वशिन्ने नमः ५ ॐ का
 मिनीचक्रावृत्ते नमः ६ ॐ कान्ताय नमः ७ ॐ कलानिधये नमः
 ८ ॐ कामिने नमः ९ ॐ इष्टभूतनिषेविताय नमः १० ॐ उर्गाय नमः
 ११ ॐ सर्वापन्नारणाय नमः १२ ॐ बालपराक्रमाय नमः १३ ॐ बालाय नमः
 १४ ॐ बलिभुक्त्वाय नमः १५ ॐ बलिभुजे नमः १६ ॐ दैत्यमुंडाभिशि
 ताय नमः १७ ॐ सुदनीलंजनप्राप्त्याय नमः १८ ॐ क्षोभाय नमः १९ ॐ
 मारणाय नमः २० ॐ लंभिने नमः २१ ॐ मोहनाय नमः २२ ॐ ज्ज्म
 णाय नमः २३ ॐ नागयज्ञोपवीतिने नमः २४ ॐ मुंडिने नमः
 २५ ॐ कंकालधारिणे नमः २६ ॐ भूधरात्मजाय नमः २७ ॐ भूषतये न
 मः २८ ॐ भूधराधीशाय नमः २९ ॐ भूधराय नमः ३० ॐ शिलीम
 त्वाय नमः ३१ ॐ सर्पयुक्ताय नमः ३२ ॐ षडाधाराय नमः
 ३३ ॐ अष्टाधाराय नमः ३४ ॐ तपोमयाय नमः ३५ ॐ ज्ञानचक्षुषे
 नमः ३६ ॐ निधीशाय नमः ३७ ॐ अष्टमूर्तये नमः ३८ ॐ शंकरप्रि
 यबंधवाय नमः ३९ ॐ मुद्राय नमः ४० ॐ शंतिदाय नमः
 ४१ ॐ प्रशान्ताय नमः ४२ ॐ पांडुलोचनाय नमः ४३ ॐ हरिणाय नमः
 ४४ ॐ मूराय नमः ४५ ॐ दिगम्बराय नमः ४६ ॐ धूर्ताय नमः
 ४७ ॐ परिवारकाय नमः ४८ ॐ भिक्षुकाय नमः ४९ ॐ पशुपतये
 नमः ५० ॐ भूताध्यक्षाय नमः ५१ ॐ त्रिदंगवरधारकाय नमः
 ५२ ॐ वडुवेषाय नमः ५३ ॐ वडुकाय नमः ५४ ॐ शंभोजनप्रियाय
 नमः ५५ ॐ शंभोर्त्तमप्रियाय नमः ५६ ॐ उच्छ्वाय नमः ५७ ॐ त्रिने
 त्रनयाय नमः ५८ ॐ त्रिलोकपाय नमः ५९ ॐ त्रिशिविने नमः
 ६० ॐ ज्वलनेत्राय नमः ६१ ॐ त्रिलोचनाय नमः ६२ ॐ कलानिधये न
 मः ६३ ॐ कमनीयाय नमः ६४ ॐ कपालमालिने नमः ६५ ॐ का
 लाय नमः ६६ ॐ कपालभृते नमः ६७ ॐ चोमकेशाय नमः
 ६८ ॐ नागपाशाय नमः ६९ ॐ नागहाराय नमः ७० ॐ प्रतिभानवते
 नमः ७१ ॐ धनवते नमः ७२ ॐ धनहारिणे नमः ७३ ॐ धनदाय
 नमः ७४ ॐ योगिनीपतये नमः ७५ ॐ भूतिदाय नमः ७६ ॐ भैरवी
 नाथाय नमः ७७ ॐ शभीरवे नमः ७८ ॐ धूम्रलोचनाय नमः ७९ ॐ
 कंकालिने नमः ८० ॐ त्रिदंगपाय नमः ८१ ॐ मूलपाणये न
 मः ८२ ॐ पिंगललोचनाय नमः ८३ ॐ बह्वनेत्राय नमः

ॐ शूराय नमः ॐ दिगम्बराय नमः ॐ धृताय नमः
 ॐ परिचारकाय नमः ॐ भिल्लकाय नमः ॐ पशुपतये
 नमः ॐ भूताध्यक्षाय नमः ॐ तद्गवर्धनाय नमः
 ॐ वटवेष्टाय नमः ॐ वटकाय नमः ॐ शोतजनप्रियाय
 नमः ॐ शोतजन्मिकाय नमः ॐ डिंकाय नमः ॐ त्रिनेत्र
 तनयाय नमः ॐ त्रिलोकपाय नमः ॐ त्रिशिलिने नमः
 ॐ ज्वलनेत्राय नमः ॐ त्रिलोचनाय नमः ॐ कलानिधये न
 मः ॐ कमनीयाय नमः ॐ कपालमालिने नमः ॐ का
 लाय नमः ॐ कपालभृते नमः ॐ चोमकेशाय नमः
 ॐ नागपाशाय नमः ॐ नागहाराय नमः ॐ प्रतिभानवते
 नमः ॐ धनवते नमः ॐ धनहारिणे नमः ॐ धनदाय
 नमः ॐ योगिनीपतये नमः ॐ भूतिदाय नमः ॐ भैरवी
 नाथाय नमः ॐ श्भीरवे नमः ॐ धूम्रलोचनाय नमः २०
 ॐ कंकालिने नमः ॐ तदुष्णाय नमः ॐ शूलपाणये न
 मः ॐ पिङ्गललोचनाय नमः ॐ बडनेत्राय नमः
 ॐ त्रिनेत्राय नमः ॐ कवये नमः ॐ कलाकाष्ठातनवे न
 मः ॐ कालशमनाय नमः ॐ करालाय नमः ॐ सिद्धि
 सेविताय नमः ॐ सिद्धिदाय नमः ॐ सिद्धाय नमः
 ॐ घानपाय नमः ॐ रक्तपाय नमः ॐ मत्वातकृते
 नमः ॐ त्वर्याशिने नमः ॐ मांसाशिने नमः ॐ श्म
 श्मन्वासिने नमः ॐ विराजे नमः ॐ तत्रियाय नमः
 ॐ क्षेत्रदाय नमः ॐ क्षेत्रपालाय नमः ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः
 ॐ भूतभावनाय नमः ॐ भूतात्मने नमः ॐ भूतना
 थाय नमः ॐ भैरवाय नमः १८ ॥ ॥